वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार एवं वाणिज्य के नए उभरते आयाम

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजन दिनाँक : 27 एवं 28 जून 2024

वाणिज्य विभाग

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी प्रतिवेदन

महाविद्यालय के **वाणिज्य विभाग** के द्वारा **"वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार एवं वाणिज्य के नए उभरते आयाम"** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन **दिनाँक 27 एवं 28 जून, 2024** को किया गया। जिसमें विषय से सम्बंधित विभिन्न उपविषयों पर शोधपत्रों के द्वारा विचार प्रस्तुत किए गए। यह शोध संगोष्ठी उद्घाटन एवं समापन सत्रों के अतिरिक्त **चार प्रत्यक्ष तकनीकी सत्रों एवं दो आभाषी तकनीकी सत्रों** में आयोजित की गई। इस राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में **झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, आसाम सहित अनेक राज्यों से विषय विशेषज्ञ के रूप में 64 प्राध्यापक, 40 शोधार्थी, 339 विद्यार्थी पंजीकृत होकर सम्मिलित हुए।**

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रिजवान उल्ला द्वारा की गई, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में पं. सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर के माननीय कुलपति डॉ. बंशगोपाल सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉ. संजय तिवारी, नवयुग कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश) उपस्थित रहे। इस सत्र का मुख्य वक्तव्य प्रोफेसर डॉ. शोभित बाजपेई, डायरेक्टर, स्कूल ऑफ़ स्टडीस इन मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, पं सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.) द्वारा दिया गया। संगोष्ठी की रूपरेखा एवं विषय प्रवेश वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संगोष्ठी के समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार गौर के द्वारा प्रस्तुत किया गया। सत्र का मंच संचालन डॉ. उमेश कुमार पांडे द्वारा किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में उपस्थित विशिष्ट अतिथि डॉ. बंशगोपाल सिंह जी द्वारा वर्तमान परिपेक्ष में वाणिज्य की भूमिका एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा इस शोध संगोष्ठी के सफल सम्पन्नता हेतु महाविद्यालय को शुभकामनाएं प्रेषित की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. संजय तिवारी जी के द्वारा इस संगोष्ठी में शामिल विभिन्न विषयों के महत्व को बताया गया तथा शोध के क्षेत्र में और रुचि लेने की ओर शोधार्थियों को प्रेरित किया गया। सत्र के बीज वक्ता डॉ. शोभित बाजपेई जी ने वाणिज्य में बदलते आयामों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा ट्रेडिंग मेकैनिज्म में होने वाले बदलाव पर प्रकाश डाला तथा आने वाले समय में जिन परिवर्तनों की संभावना है, उनके बारे में चर्चा की। संगोष्ठी की रूपरेखा वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर ए. के. गौर जी के द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्र से पंजीकृत शोधार्थियों तथा शोध पत्रों के बारे में बताया गया। उन्होंने इस दो दिवसीय शोध संगोष्ठी के उद्देश्य तथा विषयों के बारे में भी बताया। इस सत्र की रिपोर्टिंग डॉ. दीपक सिंह के द्वारा की गई एवं विभाग की प्राध्यापक डॉ. शंपू तिर्की के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। यह शोध संगोष्ठी दो दिनों में चार तकनीकी सत्रों तथा एक ऑनलाइन सत्र के द्वारा संचालित की गई, जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से अलग-अलग शोधार्थियों द्वारा ब्लेंडेड मोड में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

उद्घाटन सत्र के पश्चात संगोष्ठी का प्रथम तकनीकी सत्र 27 जून 2024 को दोपहर 1 बजे प्रारंभ हुआ, जिसकी अध्यक्षता डॉ. संजय तिवारी द्वारा की गई। इस सत्र में वक्ता के रूप में डॉ. प्रीति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, शासकीय

Scanned with CamScanner

रामानुज शरण सिंहदेव महाविद्यालय, बैकुंठपुर से उपस्थित थीं। सत्र के अध्यक्ष डॉ. संजय तिवारी के द्वारा ऑनलाइन व्यापार के लाभ एवं हानि पर चर्चा की गई तथा बाजार के ट्रेंड, श्रृंखलाबद्ध दुकान, बहुराष्ट्रीय उत्पाद एवं डिजिटल व्यापार पर उन्होंने व्याख्यान दिया। उन्होंने संसाधनों के सर्वोत्तम प्रयोग एवं मानव संसाधन की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने उपभोक्ताओं के बारे में चर्चा करते हुए उनके चयन सुविधा की बात की। इस सत्र में ऑनलाइन माध्यम से डॉ. पुष्कर दुबे, विभागाध्यक्ष-प्रबंध, पं. सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.) द्वारा, रोल ऑफ़ डिजिटाइजेशन ऑन फ्यूचर ऑफ़ हायर एजुकेशन इन इंडिया पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस व्याख्यान में उन्होंने शिक्षा के स्वरूप तथा उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने नवीन शिक्षा नीति के संबंध में चर्चा की तथा इस नीति के द्वारा रोजगार पर होने वाले प्रभाव को समझाया। डॉ. दुबे के द्वारा नई शिक्षा नीति की अवधारणा, उद्देश्य एवं इसकी विशेषताओं पर भी विचार व्यक्त किए गए।

प्रथम सत्र के वक्ता प्रोफेसर डॉ. शोभित बाजपेई, डायरेक्टर, स्कूल ऑफ़ स्टडीस इन मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, पं. सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर, द्वारा वाणिज्य के क्षेत्र में तकनीक के प्रयोग के बारे में चर्चा की। उनके द्वारा ई-कॉमर्स तथा इसके विभिन्न आयाम के बारे में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने ऑनलाइन ट्रेडिंग के गुण एवं दोषों को समझाया। उन्होंने मोबाइल बैंकिंग तथा रोबोटिक के प्रयोग के विषय पर श्रोताओं को अवगत किया। भविष्य में होने वाले तकनीकी परिवर्तन एवं उनका वाणिज्य पर होने वाले प्रभाव के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार तकनीक में होने वाले परिवर्तन से व्यापार एवं वाणिज्य का स्वरूप बदला। आने वाले समय में मानव संसाधन का स्थानांतरण करते हुए तकनीक का प्रयोग तथा इसके दुष्परिणाम के बारे में चर्चा की गई। प्रथम सत्र का सफल संचालन डॉ. उमेश कुमार पांडे द्वारा किया गया तथा जिसकी रियोर्टिंग डॉ. दीपक सिंह ने की। इस सत्र के कुशल संचालन के पश्चात श्री आशुतोष कौशिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

संगोष्ठी के प्रथम दिवस, दोपहर 3:00 बजे से, द्वितीय तकनीकी सत्र प्रारंभ हुआ, जिसके अध्यक्ष डॉ. शोभित कुमार बाजपेई रहे। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संजय तिवारी उपस्थित थे तथा डॉ. प्रीति गुप्ता द्वारा शैडो इकोनॉमी पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने शैडो इकोनॉमी के विभिन्न पहलुओं पर विचार प्रस्तुत करते हुए, इसे एक तरह से समानांतर तथा साख़ अर्थव्यवस्था से भिन्न बताया। डॉ. गुप्ता द्वारा अपने व्याख्यान में जी.डी.पी तथा कर की नीतियों के द्वारा शैडो इकोनॉमी को समझाया। उन्होंने इससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं जैसे बेरोजगारी तथा भ्रष्टाचार पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने शैडो इकोनामी तथा ग्रे-इकोनामी के दुष्प्रभावों को समझाने के साथ-साथ इनसे निपटने के तरीकों पर भी व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र के अंतिम वक्ता के रूप में, अध्यक्ष डॉ. शोभित कुमार बाजपेई द्वारा बदलते समय में व्यापार तथा वाणिज्य की भूमिका पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने तकनीक के प्रयोग तथा व्यापार पर तकनीक के प्रभाव की चर्चा की। उन्होंने ई-कॉमर्स के माध्यम से व्यापार तथा वाणिज्य में नवीन परिवर्तनों के बारे में बताया तथा इसकी आवश्यकता एवं दुष्परिणामों पर भी अपने विचार प्रस्तुत किये। शोध संगोष्ठी के प्रथम दिवस अनेक विषय विशेषज्ञों द्वारा व्यापार एवं वाणिज्य के विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए तथा उन्होंने इस शोध संगोष्ठी की प्रासंगिकता को भी अपने शब्दों में पिरोकर प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी के प्रथम दिवस अन्य तकनीकी सत्रों के साथ-साथ, एक ऑनलाइन सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से अलग-अलग विषयों के शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया। इस

Scanned with CamScanner

ऑनलाइन सत्र के अध्यक्ष, महाविद्यालय के अंग्रेजी संकाय के प्राध्यापक, डॉ. आर. पी. सिंह रहे तथा सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. आशीष कांत चौधरी, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश रहे। उन्होंने भारत में उद्यमिता के सामाजिक प्रभावों पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा ऑनलाइन माध्यम से जुड़े विभिन्न प्रतिभागियों में ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने अपने शोध प्रस्तुतीकरण के द्वारा भारत में उद्यमिता की आवश्यकता तथा शासकीय रूप से उद्यमिता के विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उद्यमिता के क्षेत्र में महिला उद्यमियों की भूमिका के बारे में भी चर्चा की। इसके अलावा व्यापार के अन्य विभिन्न क्षेत्रों जैसे- खाद्य पदार्थों का निर्माण, हॉर्टिकल्चर, क्रिप्टो करंसी, वित्तीय विश्लेषण, महिला सशक्तिकरण एवं व्यापार का विकास आदि विषयों पर भी अपने विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने सतर्कता से पूरे सत्र को सुना, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतियां दी गई। इन विषयों में उदारीकरण, शैडो इकोनामी, ग्रीन जी.डी.पी., मौसमी परिवर्तन तथा सतत विकास आदि विषयों को चुना गया। इस सत्र का तकनीकी संचालन सुश्री मोनिका खेस्स, सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. रामेश्वरी बंजारा, सहायक प्राध्यापक, रसायन शास्त्र विभाग द्वारा किया गया। इस सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतीकरण हेतु प्रतिभागियों का चयन अलग से किया गया।

संगोष्ठी के द्वितीय दिवस में 28 जून को सुबह 10:00 बजे से, तृतीय तकनीकी सत्र की शुरुआत की गई, जिसके अध्यक्ष डॉ. राजेश श्रीवास्तव, प्राचार्य, श्री साईं बाबा आदर्श महाविद्यालय, अंबिकापुर रहे। इस सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विजय प्रकाश, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, एल. बी. एस. एम. कॉलेज, जमशेदपुर, झारखंड, उपस्थित रहे। डॉ. विजय प्रकाश द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार एवं वाणिज्य की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए, जिसमें उन्होंने प्राचीन आर्थिक प्रणाली की तुलना आधुनिक व्यापार एवं वाणिज्य के स्वरूप से की। उन्होंने आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार के निर्माण, जीवन स्तर में सुधार, विदेशी व्यापार तथा विदेशी विनिमय, आधारभूत संरचनाओं के विकास, बाजार का विस्तार, विशिष्टीकरण एवं विभेदीकरण पर श्रृंखलाबद्ध रूप से विचारों को प्रस्तुत किया। इस सत्र में शोधार्थी सृष्टि शेफाली मिंज द्वारा मार्केटिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा प्रियांशु जायसवाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक विकास विषय पर प्रस्तुति दी गई, जिसमें उन्होंने विश्व व्यापार संगठन तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के बारे में चर्चा की। इस सत्र की रिपोर्टिंग श्री सैयद शाबिर अली, सहायक प्राध्यापक, होली क्रॉस महिला महाविद्यालय, अंबिकापुर द्वारा की गई।

द्वितीय दिवस के द्वितीय तकनीकी सत्र के अध्यक्ष के रूप में डॉ. विजय प्रकाश उपस्थित रहे, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. राजेश श्रीवास्तव रहे। इस सत्र की रिपोर्टिंग शिव कुमार शुक्ला द्वारा की गई, जिसमें शोध प्रतिभागियों द्वारा अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया। इस सत्र में रश्मि मित्तल द्वारा कोऑपरेटिव एनालिसिस ऑफ़ फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एंड फॉरेन इन्वेस्टमेंट इन इंडिया यूजिंग बी. एस. इ. सेंसेक्स एंड निफ़्टी सेंसेक्स को प्रस्तुत किया गया। इस विषय के माध्यम से रश्मि मित्तल द्वारा आर्थिक विकास में विदेशी मुद्रा तथा वित्तीय बाजार की भूमिका को स्पष्ट किया गया। शोधार्थी साक्षी अग्रवाल द्वारा फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एंड फॉरेन इन्वेस्टमेंट इन इंडिया विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। विशेष प्रस्तुति में डॉ. मनहरण अनंत द्वारा इवेलुएशन ऑफ़ रोल ऑफ़ गवर्नमेंट पॉलिसीज इन ड्राइविंग इकोनामिक ग्रोथ इन इंडिया विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने सरकारी नीतियों का विश्लेषण, आर्थिक विकास के संदर्भ में किया।

Scanned with CamScanner

संगोष्ठी के समापन सत्र का आयोजन 28 जून को 3:00 बजे किया गया, जिसके मुख्य अतिथि डॉ. रामकुमार मिश्रा, प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सिलफिली, जिला सूरजपुर रहे तथा अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिज़वान उल्लाह रहे। इस सत्र में विशेष अतिथि के रूप में डॉ. शोभित कुमार बाजपेई, डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, डॉ. रमेश कुमार जायसवाल, डॉ. राजकमल मिश्रा, डॉ. अनिल सिन्हा एवं डॉ. जयनारायण पांडेय उपस्थित रहे। डॉ. रामकुमार मिश्रा द्वारा शोध के महत्व एवं वर्त्तमान समय में व्यापार की प्रासंगिकता पर अपने व्याख्यान को प्रस्तुत किया गया। उन्होंने वर्तमान समय में व्यापार एवं वाणिज्य द्वारा रोजगार के नए अवसरों के विकास के बारे में भी बात की। इस सत्र में उपस्थित अन्य विशेष अतिथियों द्वारा अपने-अपने विचारों को व्यक्त किया गया। शोध संगोष्ठी में उपस्थित विभिन्न शोधार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए तथा उनके शोध कार्य को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर शोध संगोष्ठी के सफल संचालन एवं पूर्ण होने पर विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार गौर द्वारा आभार व्यक्त किया गया एवं श्री आशुतोष कौशिक द्वारा शोध संगोष्ठी की रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया। इस सत्र का संचालन श्रीमती रश्मित कौर सहायक प्राध्यापक वाणिज्य द्वारा किया गया।

विभागाध्यक्ष
वाणिज्य विभाग
राजीव गांधी शास.स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ.ग.)

Scanned with CamScanner

ADVISORY COMMITTEE

Dr. V.K. Rakshit	Principal, R.B.R. N.E.S. Govt. P.G. College Jashpur
Dr. R.K. Mishra	Principal, Govt. College Silfili, Surajpur
Dr. S.K. Bajpayee	Regional Director, Pt. S. (O.) University Bilaspur
Dr. Sanjay Tiwari	Principal, Navyug Mahavidyalaya Jabalpur (M.P.)
Dr. Dileep Shukla	Principal, J.D. Govt. Girls P.G. College Janjgir-Champa
Dr. Akhilesh Gupta	Principal, Govt. R.P.S. P.G. College Baikunthpur
Dr. Rajesh Shrivastava	Principal, S.S.B.A. Mahavidyalaya Ambikapur
Dr. J.N. Kesharwani	Retd. Principal, Govt. College Lavan
Dr. Deepak Shukla	Professor, S.M. Govt. Girls P.G. College Bilaspur
Dr. Pankaj Jaiswal	Professor, Kesharwani College Jabalpur (M.P.)
Dr. K.K. Bhandari	Professor, J.P.V. Govt. P.G. College Bilaspur
Dr. B.A. Mishra	Retd. Professor, C.M.D. P.G. College Bilaspur
Dr. Gyanendra Shukla	Asstt. Prof., Govt. D.B. College Raipur
Dr. Preeti Gupta	Asstt. Prof., R.P.S. Govt. P.G. College Baikunthpur
Dr. C.B.P. Sharma	Asstt. Prof., Govt. College Barpali, Korba
Mr. A.R. Bairagi	Asstt. Prof., R.B.R. N.E.S. Govt. P.G.College Jashpur
Dr. Vinod Garg	Asstt. Prof., H.C.W. College Ambikapur
Mr. C.B. Mishra	Asstt. Prof., R.R.M. Govt. P.G. College Surajpur
Dr. Anand Kumar	Asstt. Prof., R.M.D.G.P.G. College Ambikapur
Lt. Sarita Devi	Asstt. Prof., S.P.M. Govt. P.G. College Surajpur

ORGANIZING COMMITTEE

Dr. S.K. Shrivastava	HoD, Physics, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. R.K. Jaiswal	HoD, Geography, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. H.D. Mahar	Asstt. Prof., Botany, R.G.G.P.G.College A.pur
Dr. S. K. Sinha	Asstt. Prof., Chemistry, R.G.G.P.G.College A.pur
Dr. Snehlata Shrivastava	HoD, Political Science, R.G.G.P.G.College A.pur
Dr. Jasinta Minj	Asstt. Prof., Political Sci., R.G.G.P.G.College A.pur
Dr. Rajkamal Mishra	HoD, English, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. A.K. Sinha	Asstt. Prof., Geography, R.G.G.P.G.College A.pur
Mrs. Saroj Tirkey	HoD, Chemistry, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. Abha Jaiswal	HoD, Hindi, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. Mamata Garg	HoD, History R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. S.N. Pandey	Asstt. Prof., English, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. Jermina Tirkey	HoD, Zoology, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. J.N. Pandey	HoD, Economics, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. R.P. Singh	Asstt. Prof., English, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. Pratibha Singh	HoD, Sociology, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. Pradeep Ekka	Asstt. Prof., Sociology, R.G.G.P.G.College A.pur
Mr. S.A.K. Kerketta	HoD, Geology, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. Tripti Biswas	HoD, Psychology, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. Sangeeta Pandey	HoD, Mathematics, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Dr. Brijesh Kumar	HoD, Law, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Mr. Rajeev Kumar	HoD, Sanskrit R.G.G.P.G.College Ambikapur
Mrs. Jyoti Lakra	HoD, Anthropology, R.G.G.P.G.College Ambikapur
Mr. Chetan Kumar	HoD, Computer App., G.G.P.G.College Ambikapur
Miss. Monika Xess	HoD, Computer Science, R.G.G.P.G.College A.pur

ABOUT AMBIKAPUR

Ambikapur is the headquarter of Surguja district and Surguja division. Surguja district is located in the northern part of Chhattisgarh State. Major population comprises of tribes. The presence of various temples, stone carvings and ancient remains shows the evidence of existence of this region since before Christ (B.C.) era.

There are many tourist places in Surguja district. Mahamaya Mandir, Durga Mandir, Takiya Mazar and many more religious places are in Ambikapur city. Other tourist spots like Sitabengara and Jogimara ancient caves at Ramgarh hills, Kailash Cave, Deogarh, Laxmangarh, Maheshpur, Thin-Thini Patthar are also places of attraction. Sedam, Rakasganda, Chendra are waterfalls and picnic spots. Mainpat (Shimla of Chhattisgarh) is 75 km away from Ambikapur, It is a beautiful place embraced with natural beauty. Here Sarbhanja waterfall, Tiger Point and Fish Point are the major tourist attractions. Mainpat itself has originated from the Rihand and Mand river. This is also called Tibet of Chhattisgarh.

ABOUT COLLEGE

Rajeev Gandhi Government Post Graduate (Autonomous) College, Ambikapur was established in 1960. It is the lead College of this district and division. It is affiliated to Sant Gahira Guru Vishwavidyalaya, Ambikapur, Surguja (C.G). The college was accredited with B grade in the NAAC A&A of 2019. The college runs various diploma, Post graduate diploma, Undergraduate, Postgraduate programmes. There are four undergraduate programmes namely Bachelor of Arts (B.A.), Bachelor of Science (B.Sc.), Bachelor of Commerce (B.Com.) and Bachelor of Computer Application (B.C.A.). There are sixteen Post Graduate programmes available in the college with a separate Law faculty offering L.L.B. and L.L.M. programmes. There are two N.S.S. wings, with units of N.C.C. and Red Cross for the enhancement of social welfare in students. There is a rich library in the college with the online facilities of INFLIBNET available for the students and faculty members.

There are various Value-added courses offered by the college along with regular academic programmes for the multidimensional development of the students. Numerous workshops, guest lectures, seminars and other academic and cultural programmes are organized by the college. All the staff members are committed to provide quality higher education to the students.

Two-day National Research Seminar on

NEW EMERGING DIMENSIONS OF TRADE AND COMMERCE IN THE GLOBAL ECONOMY

JUNE 27 & 28, 2024

(Blended mode)

Organized by

DEPARTMENT OF COMMERCE

RAJEEV GANDHI GOVERNMENT POST GRADUATE COLLEGE

AMBIKAPUR, SURGUJA (CHHATTISGARH) 497001

(Affiliated To Sant Gahira Guru Vishwavidyalaya, Ambikapur, Surguja)

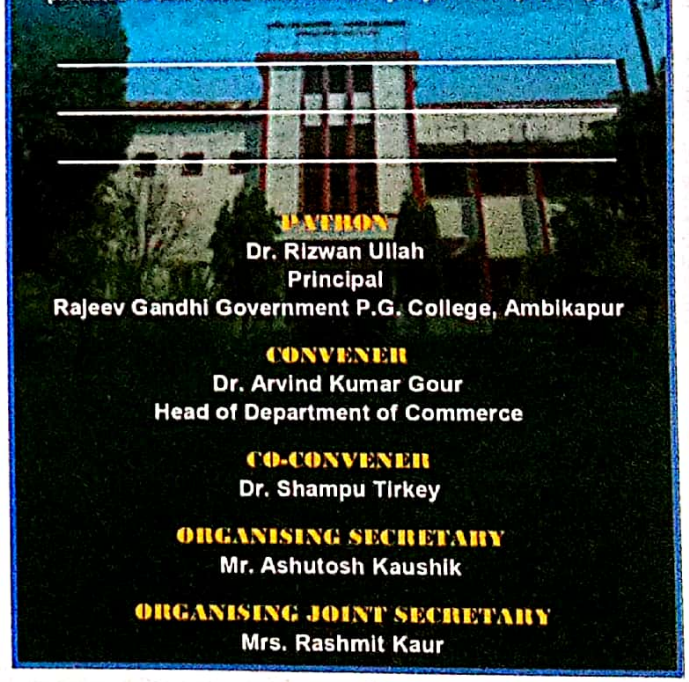

PATRON

Dr. Rizwan Ullah
Principal
Rajeev Gandhi Government P.G. College, Ambikapur

CONVENER

Dr. Arvind Kumar Gour
Head of Department of Commerce

CO-CONVENER

Dr. Shampu Tirkey

ORGANISING SECRETARY

Mr. Ashutosh Kaushik

ORGANISING JOINT SECRETARY

Mrs. Rashmit Kaur

Scanned with CamScanner

1810

ABOUT THE COMMERCE DEPARTMENT

The department of Commerce has a vital role in the college. There are 440 seats available in the Bachelor of Commerce programmes and 40 seats in Masters of Commerce programme. The college also provides an allied degree of Bachelor in commerce with computer application. The department caters the educational needs of the students who are interested to study in commerce stream. Various co-curricular activities, workshops, seminars, orientation programmes and motivational lectures, etc., are organised by the department of Commerce. The department of Commerce plays a significant role in the regular activities of the college.

ABOUT THE SEMINAR

The two-day National Research Seminar on "NEW EMERGING DIMENSIONS OF TRADE AND COMMERCE IN THE GLOBAL ECONOMY" will be organized on **JUNE 27 & 28, 2024**. This seminar will surely add new dimensions to learning and research in the field of studies related to commerce. This seminar will introduce a number of subject experts, who will share their knowledge related to the topic of seminar. This seminar will provide a golden opportunity to the research scholars and students to enrich their learning experience.

SUB THEMES:

- International Trade and Economic Growth
- International and Regional Disparities in Growth
- International Trade & Ease of doing Business: A Reality Check
- Global/Regional Financial Organisations and Growth
- FDI and FII: National Growth Perspective
- Export-led growth & sustainability
- Price Instabilities & Economic Volatilities- Inflation & Recession
- Shadow Economy
- Trends and Challenges of Infrastructure Development in India.
- Impact of Social Entrepreneurship on Social Development in India
- Impact of Government Policies in Facilitating Economic Growth in India.
- FinTech: Challenges and Opportunities
- Government financial regulation and growth
- Innovation in marketing analytics, business intelligence & automation
- Sustainable marketing strategies and the way forward
- Customer satisfaction and relationship management in the circular economy
- Digital Currency/Crypto Currency- a new currency era
- Artificial Intelligence in Marketing
- Transformation in financial market & services
- New investment and innovative practices in finance
- Start-up Culture or Unemployment- Socio-Legal Aspects of Indian Entrepreneurship
- Project financing for innovative start-ups
- Sustainable Financial performance and accounting practices
- Indian Accounting Standards- Reality and Ambitions

HOW TO REACH

Ambikapur is well connected to the main cities of Chhattisgarh via road and train route. It is connected to the Anuppur railway junction, a bordering town in Madhya Pradesh by train route. Daily bus service is also available for Uttar Pradesh, Jharkhand, Orissa and Madhya Pradesh states.

REGISTRATION FEE

Corporate / Industrial Delegates / Faculties	: Rs. 700/-
Research Scholars	: Rs. 500/-
PG Students	: Rs. 300/-

(The printing charge for publication of papers in ISBN will be separately charged as Rs. 600/-.

ACCOUNT DETAILS

Bank Name: HDFC, Namnakala, Ring Road, Ambikapur
Account Name: Principal R G Govt P G College Ambikapur
Account No. : 50200022648884
IFSC Code: HDFC0000917

IMPORTANT DATES

Last date for the Abstract Submission : June 20, 2024
Last date for the Full Paper Submission : June 26, 2024
Last date for the Online Registration and Fee Payment : June 26, 2024 (On the spot registration is also available)

ONLINE REGISTRATION LINK

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfJopjZFMYQn8Yu2gactTMGi0_dNyYjYdwlldqGMPNHR7f20A/viewform?usp=sf_linkPUBLICATION

WHATSAPP GROUP LINK

https://chat.whatsapp.com/HIoWfGu9KNABKTSg8wcbCS

Online link of Seminar will be shared in Whatsapp group on June 26, 2024.

Two-day National Research Seminar on

NEW EMERGING DIMENSIONS OF TRADE AND COMMERCE IN THE GLOBAL ECONOMY

JUNE 27 & 28, 2024

Registration Form

1. Name _____
2. Designation _____
3. Organization _____
   _____
4. Address _____
   _____
5. Contact No. _____
6. E-mail _____
7. Total amount paid _____
8. Transaction ID _____
9. Title of Paper _____
   _____
10. Paper Presentation: YES _____ / NO _____
11. Participation Mode in National Research Seminar :
    Online_____ / Physical Participation _____

(No TA / DA will be provided to the Participants by the organisers.)

GUIDELINES FOR PAPER SUBMISSION

- Only original and unpublished work is invited.
- Authors and Co-authors should register separately; a maximum three authors can register.
- Paper must be based on the themes or sub-themes.
- Paper format: Single column, A4 size, 1.5 spacing, and Font size: Times New Roman (Size 12) or Hindi font Unicode (Size 10).
- APA Style of referencing should be followed.
- The total word limit for each paper should not exceed 3000 words including all references and Abstract should be 300-400 words only.
- Selected papers will be published in ISBN Journal with added cost of to be paid by the participant
- Abstract and Full paper must be sent through e-mail: rgpgcbusimaths@gmail.com

Scanned with CamScanner

समापन - सत्र

दिनांक : 28.06.2024
अपरान्ह 3:00 बजे से 5:00 बजे तक

मुख्य अतिथि
डॉ. रामकुमार मिश्रा
(प्राचार्य)
शासकीय महाविद्यालय, सिलफिली, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष
डॉ. रिज़वान उल्ला
प्राचार्य एवं संरक्षक
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
अम्बिकापुर, (छ.ग.)

विशेष उपस्थिति

प्रो. (डॉ.) एस. के. श्रीवास्तव
विभागाध्यक्ष - भौतिक शास्त्र

डॉ. रमेश कुमार जायसवाल
विभागाध्यक्ष - भूगोल

डॉ. राजकमल मिश्रा
नियंत्रक - स्वशासी प्रकोष्ठ

डॉ. अनिल सिन्हा
समन्वयक - आई.क्यू.ए.सी.

डॉ. जयनारायण पाण्डेय
विभागाध्यक्ष - अर्थशास्त्र

संचालन : श्रीमती रश्मित कौर

रिपोर्टिंग : श्री आशुतोष कौशिक

आभार प्रदर्शन : डॉ. ए. के. गौर

समानांतर ऑनलाइन तकनीकी सत्र

दिनांक - 27.06.2024

सत्र - 1: समय - सायं 12.15 बजे से 2.00 बजे तक

भोजन अवकाश : समय - सायं 2.00 बजे से 3.00 बजे तक

सत्र - 2: समय - सायं 3.00 बजे से 5.00 बजे तक

अध्यक्ष
डॉ. आर.पी. सिंह
अंग्रेजी विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, (छ.ग.)

वक्तव्य
डॉ. आशीष कांत चौधरी
सहायक प्राध्यापक वाणिज्य
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)

संचालन
सुश्री मोनिका खेस्स
कम्प्युटर विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, (छ.ग.)

रिपोर्टिंग एवं आभार प्रदर्शन
डॉ. रामेश्वरी बंजारा
रसायन विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, (छ.ग.)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा, छत्तीसगढ़

आमंत्रण

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा, छत्तीसगढ़

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

27-28 जून 2024

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार एवं वाणिज्य के नये उभरते आयाम

स्वाशासी योजनांतर्गत प्रायोजित

प्रति,
.....
.....
.....

आयोजक
वाणिज्य विभाग
(स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध केन्द्र)

प्रेषक
प्रो. (डॉ.) रिज़वान उल्ला
प्राचार्य
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, छ.ग.

Scanned with CamScanner

उद्घाटन - सत्र

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार एवं वाणिज्य के नये उभरते आयाम

27.06.2024, समय - 10.30 बजे पूर्वान्ह

मुख्य अतिथि

माननीय श्री राजेश अग्रवाल जी

विधायक,
विधानसभा क्षेत्र 10 अम्बिकापुर
सरगुजा (छ.ग.)

विशिष्ट अतिथि

माननीय डॉ. वंश गोपाल सिंह जी
कुलपति
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

विशिष्ट अतिथि

प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी
प्राचार्य,
नवयुग कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,जबलपुर (म.प्र.)

अध्यक्ष

प्रो. (डॉ.) रिजवान उल्ला

प्राचार्य एवं संरक्षक
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, (छ.ग.)

मुख्य वक्ता/बीज वक्ता

प्रो. (डॉ.) शोभित वाजपेयी

डायरेक्टर
स्कूल ऑफ स्टडीज इन मैनेजमेन्ट एण्ड कॉमर्स
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

विषय प्रवेश

डॉ. ए. के. गौर

विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ.ग.)

संचालन : डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय
रिपोर्टिंग : डॉ. दीपक सिंह
धन्यवाद ज्ञापन : डॉ. शम्पु तिर्की

चाय अंतराल - 12:00 बजे से 12.15 बजे तक

तकनीकी सत्र - 1

27.06.2024, समय - 12.15 बजे से 2:00 बजे

अध्यक्ष : प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी
प्राचार्य,
नवयुग कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,जबलपुर (म.प्र.)

वक्तव्य : डॉ. शोभित वाजपेयी
डायरेक्टर
स्कूल ऑफ स्टडीज इन मैनेजमेन्ट एण्ड कॉमर्स
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

संचालन : डॉ. उमेश पाण्डेय
रिपोर्टिंग : डॉ. दीपक सिंह
धन्यवाद ज्ञापन : श्री आशुतोष कौशिक

भोजनावकाश - 2:00 बजे से 3:00 बजे

तकनीकी सत्र - 2

27.06.2024, समय - 3:00 से 5:00 बजे

अध्यक्ष : डॉ. शोभित वाजपेयी
डायरेक्टर
स्कूल ऑफ स्टडीज इन मैनेजमेन्ट एण्ड कॉमर्स
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बलासपुर (छ.ग.)

वक्तव्य : प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी
प्राचार्य,
नवयुग कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,जबलपुर (म.प्र.)

वक्तव्य : डॉ. प्रीति गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
शासकीय रा.प्र.स.स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वैकुण्ठपुर (छ.ग.)

संचालन : डॉ. विनीत गुप्त
रिपोर्टिंग : डॉ. विनोद गर्ग
धन्यवाद ज्ञापन : श्रीमती रश्मित कौर

तकनीकी सत्र - 3

28.06.2024, समय - 10.00 बजे से 12.00 बजे

अध्यक्ष : डॉ. राजेश श्रीवास्तव
प्राचार्य
श्री सांई बाबा आदर्श महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ.ग.)

वक्तव्य : डॉ. विजय प्रकाश
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
एल. बी. एस. एम. कॉलेज जमशेदपुर
कोलहान विश्वविद्यालय, चाईवासा (झारखंड)

संचालन : डॉ. संजीव लकड़ा
रिपोर्टिंग : डॉ. मुकेश कुमार
धन्यवाद ज्ञापन : डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव

तकनीकी सत्र - 4

28.06.2024, समय - 12.00 बजे से 2:00 बजे

अध्यक्ष : डॉ. विजय प्रकाश
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
एल. बी. एस. एम. कॉलेज जमशेदपुर
कोलहान विश्वविद्यालय, चाईवासा (झारखंड)

वक्तव्य : डॉ. राजेश श्रीवास्तव
प्राचार्य
श्री सांई बाबा आदर्श महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ.ग.)

संचालन : श्रीमती रश्मित कौर
रिपोर्टिंग : डॉ. प्रदीप जांगड़े
धन्यवाद ज्ञापन : डॉ. राकेश सेन

भोजन अवकाश - 2:00 बजे से 3:00 बजे

Scanned with CamScanner

स्मारिका

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार एवं वाणिज्य के नये उभरते आयाम

27-28 जून 2024

वाणिज्य विभाग

(स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध केन्द्र)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

स्मारिका

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार एवं वाणिज्य के नये उभरते आयाम

★

27-28 जून 2024

संरक्षक

डॉ. रिज़वान उल्ला

प्राचार्य एवं क्षेत्रीय अपर संचालक उच्च शिक्षा
सरगुजा संभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (छ.ग.)

समन्वयक

डॉ. ए.के. गौर

विभागाध्यक्ष - वाणिज्य

सह समन्वयक

डॉ. शम्पू तिर्की

सहायक प्राध्यापक - वाणिज्य

आयोजन सचिव

श्री आशुतोष कौशिक

सहायक प्राध्यापक - वाणिज्य

आयोजन सह सचिव

श्रीमती रश्मित कौर

सहायक प्राध्यापक - वाणिज्य

श्री धीरज विश्वकर्मा

सहायक प्राध्यापक - वाणिज्य

(वाणिज्य स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध केन्द्र)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	लेखक	पृ. संख्या
1	नवीनतम डिजिटल मार्केटिंग के प्रति उपभोक्ता रूझान	डॉ. ए. के. गौर	1
2	भारत में निर्यात प्रोत्साहन के लिए सरकार की भूमिका	सहरीमा खातुन	1
3	आर्थिक विकास में अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय असमानताएं	डॉ. शम्पू तिर्की	2
4	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं भारत का आर्थिक विकास : चुनौतियां और समाधान	रासदुल कादरी	2
	वस्तु एवं सेवा कर : एक देश, एक कर, एक बाजार की धारणा	धीरेन्द्र जायसवाल, डॉ. विनोद कुमार गर्ग	3
5	भारत में सामाजिक विकास में सामाजिक उद्यमिता के प्रभाव पर एक अध्ययन	डॉ. विनोद कुमार साहू	4
6	कृषि ऋण योजना प्रस्तावना	लवली विश्वकर्मा	4
7	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास	डॉ. अनुराधा दीवान	5
8	स्वच्छ भारत अभियान	अनुष्मा एक्का	5
9	विपणन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आवश्यकता एवं अनुप्रयोग	आशुतोष कौशिक	6
10	सोशल मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य	अदिति यादव	7
11	भारत में सामाजिक विकास पर सामाजिक उद्यमिता का प्रभाव	प्रीति शालिनी तिर्की	7
12	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से भारतीय व्यापारियो को लाभ	रानी साहू	8
13	चक्रीय अर्थव्यवस्था में ग्राहक संतुष्टि और संबंध प्रबंधन	रीना सिंह	8
14	छाया अर्थव्यवस्था	रोशनी सोनी	9
15	फिनटेक-चौनितयां एवं अवसर	डॉ. नीलम त्रिवेदी	9
16	वित्तीय बाजार एवं सेवाओं में परिवर्तन	संजीत सोनी	10
17	डिजिटल मुद्रा/क्रिप्टोमुद्रा - एक नया मुद्रा युग	योगेश समद्दार	10
18	भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की भूमिका का अध्ययन	गजानंद बड़ेक	11
19	भारत की मौद्रिक नीति की समीक्षा एवं अध्ययन	डॉ. विनीता गौतम	12
20	छत्तीसगढ़ में डिजिटल व्यापार और ई-कॉमर्स	हुकेश मारकण्डे	13
21	डिब्बाबंद पेयजल के प्रति उपभोक्ता धारणाओं और संतुष्टि का अनुभवाश्रित विश्लेषण	डॉ. आनंद कुमार, शोभनाथ राजवाड़े	14
22	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक वृद्धि की सम्भावनाएं	शिल्पी एक्का	14
23	सतत और हरित फिनटेक का अन्वेषण : चुनौतियां, अवसर और भविष्य की दिशा	डॉ. नीलम त्रिवेदी, सरिता सिंह	15
24	चक्रीय अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता संतुष्टि एवं संबंध प्रबंधन	डॉ. राधेश्याम साहू	16
25	भारत में समाजिक विकास पर सामाजिक उद्यमिता का प्रभाव	डॉ. प्रदीप जांगड़े, मनोज कुमार	17
26	सस्टेनेबल मार्केटिंग : पर्यावरण, समाज और व्यवसाय के संतुलन का भविष्य	अशोक वर्मा	18
27	डिजिटल मुद्रा/क्रिप्टो मुद्रा : एक नई मुद्रा युग	गायत्री राजवाड़े	19
28	वैश्विक अर्थव्यवस्था में मछली उद्योग का अनुकूल प्रभाव	डॉ. शम्पू तिर्की, श्रीमती उर्मिला यादव	20
29	छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म व मध्यम उद्योगों की वर्तमान स्थिति व चुनौतियों का अध्ययन : सूरजपुर जिले के विशेष सन्दर्भ में	शिव कुमार शुक्ला, डॉ. राजेश श्रीवास्तव	21

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	लेखक	पृ. संख्या
30	छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में लघु वनोपज के विपणन में साप्ताहिक बाजार की भूमिका : सरगुजा जिले के विशेष संदर्भ में अध्ययन	राजेश कुमार सोनी, डॉ हीरा प्रसाद यादव	22
31	The Interplay between International Trade and Economic Growth : A Comprehensive Overview	Dr. Leema Tirkey	23
32	Digital Currency/Crypto Currencya New Currency Era in India	Garima Tirkey	24
33	Green GDP for India : A sustainable development perspective	Dr. Pradeep Jangde, Chandrashekhar Singh	25
34	A review of new human Resource Management & strategic management policy in Bhilai Steel Plant	Miss Debshree Bhattacharya	26
35	Future of Digital Currency in India	Pawan Kumar Singh	27
36	Challenge and Opportunity in Education and Employment Development by artificial intelligence in Balrampur District	Suraj Mishra	28
37	Artificial Intelligence in Marketing : Transforming Strategies for the Modern Age	Shristi Shiaifali Minz	29
38	The Role of Koushal Vikas Yojana in Fostering Economic Development Among Youth : A Special	Miss Lalita	30
39	Reference to Ambikapur Division		
40	Trends and Challenges of Infrastructures Development in India	Shristi Pandey	30
41	Unveiling Domestic Workers of Hazaribagh : An Integral Part of the Shadow Economy	Khushnuma Shyam	31
42	Karma and Goal Performance : Insights from the Shrimad Bhagavad Gita on Work Commitment	Dr. Pushkar Dubey	32
43	Boosting Workplace Happiness : The Moderating Role of Psychological Capital in Healthcare	Ms Ankita Annat	33
44	Role of Wealth Management Services in Financial Inclusion	Dr. Pradeep Jangde, Nishit Sahu	34
45	Conceptual Overview of Shadow Economy : An Indian Perspective	Dr. (Smt) Priti Gupta	35
46	Startup Culture or Unemployment : Socio- Legal Aspects of India Entrepreneurship	Astha Kesari	36

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	लेखक	पृ. संख्या
47	Fintech : Opportunities and Challenges	Ishwar Kumar Yadav	36
48	Artificial Intelligence In Marketing	Mukesh Nirala	37
49	Digital currency, Crypto Currency : A new Currency Era	Permeshwari Rajwade	37
50	Project Financing for Innovative Start-up	Priya Gautam	38
51	Digital Transformation : An Overview	Priyanka Kachhap	38
52	The Study of Financial Securities as in Integral Part of Investment : In Context of Micro Finance	Mrs. Rashmit Kaur, Dr. Priyank Mishra	39
53	Mutual Funds : An Effective form of Investment alternate	Mrs. Rashmit Kaur, Dr. Shobhit Bajpai	41
54	Derivatives : An Integral Key to Financial Market	Snigdha Gour	42
55	The Comparative analysis of FDI and FII using BSE Sensex and CNX Nifty : India Growth Perspective	Miss Rashmi Mittal	43
56	Fintech Industry in India - Issues and Challenges	Rohit Rastogi	44
57	An Analysis of the India Start-up Eco System for Women Entrepreneurs	Ms. Shweta Pandey	45
58	Entrepreneurship through Food Processing in Assam	Raj Kallol Dutta, Dr. Mridusmita Das	46
59	Assessing the Impact of Macro Economic Variables on Non Performing Assets in Indian Commercial Banking	Ssagupta Khatoon Sheikh	47
60	Transforming Global Trade and Development with Digital Technologies	Dr. Jaya Chowla, Rupalee Sav	48
61	The Impact of Geopolitical Relations on International Trade : Case Study and Policy Implication	Pro. Bhuvana Venkatraman, Mr. Jitendra Singh	49
62	Evaluating the Role of Government Policies in Driving Economic Growth in India: A Comprehensive Analysis	Dr. Manharan Anant, Dr. Gaorav Sahu	50
63	The Hidden GDP : Understanding and Addressing the Shadow Economy of India and Its Neighbor	Amsah Ahmad	51
64	Effect of ICT in Trade on Commerce of Global Economy of India	Dr. SK Shrivastava	52
65	An Analysis of Crypto Currency in India : Its Adoption, Challenges and Future Prospects	Mrs. Smriti Agrawal	53
66	Trends and Challenges of Infrastructure Development in India : Comparative Study of Maharastra & Chhattisgarh	Dr. Manju Toppo, SS Ali	54

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	लेखक	पृ. संख्या
67	FDI & FII : National Growth Prospective	Shakshi Agrawal	55
68	The Role of Endogenous Growth Theory in Addressing International and Regional Growth Disparities : A Need of Time	Dr. Ifsha Khurshid	56
69	Trade and Technology : Challenges and Opportunities	Anush B Mathai	57
70	Shadow Economics	Taiba Siddique, Jaspreet Kaur	58
71	Sustainable Marketing Practices in India	Dr. Mukesh Kumar	58
72	The Evaluation of Social Entrepreneurship: A Start-up Prospective	Sagar Sahu, Dr. Sunita Kshatriya, Dr. S.N. Jha	59
73	Examining the Socio-Legal Dynamics of Mudra Yojana in Fostering Entrepreneurship and Job Creation	Nivirtti James, Dr. Sanjay Singh	60
74	International Trade, Ease of Doing Bussiness, and the Role of Special Economic Zones: Assessing India's Competitiveness in Global Market	Sushma Tiwari, Dr. Tapesh Chandra Gupta	61
75	Fintech: Challenges and Opportunities	Anusha Rakhi Minz	62
76	FDI and FII National Growth Perspectives	Warisha Zafar	62
77	Price Instabilities, Recession and Inflation : A Comprehensive Analysis	Anupam Ashish Bara	63
78	Trade Liberalization and Gender Equality: Leveraging India's FTAs for Insuring A Sustainable Future	Anup Kumar Jha	64
79	Relevance of Impactful Theories of Behavioral Finance in Current Investment Patterns	Dr. Sumona Bhattacharya, Saiyed Shahina	65

Scanned with CamScanner

RAJEEV GANDHI GOVT. POST GRADUATE COLLEGE

AMBIKAPUR, SURGUJA, CHHATTISGARH 497001

DEPARTMENT OF COMMERCE

National Research Seminar

NEW EMERGING DIMENSIONS OF TRADE AND COMMERCE IN THE GLOBAL ECONOMY.

JUNE 27 & 28, 2024

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

We are pleased to certify that

_____

Designation _____

College / Institution _____

has Participated /Presented/ Submitted a research paper entitled,

_____

In this National Research Seminar.

Dr. Arvind Kumar Gour
Convener & HoD

Dr. Rizwan Ullah
Principal & Patron

Scanned with CamScanner

CG BULLETIN

Uncategorized

राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

प्रिंस सिन्हा संपादक

Prince Sinha June 29, 2024 9:06 am No Comments

अम्बिकापुर | दिनांक 28/06/2024 को राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन मुख्य अतिथि डॉ. रामकुमार मिश्रा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला, संगोष्ठी के संयोजक डॉ. ए.के. गौर व महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ |

Scanned with CamScanner

अम्बिकापुर

राजीव गांधी पीजी कॉलेज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का हुआ उद्घाटन

By Prashant Pandey

JUN 28, 2024

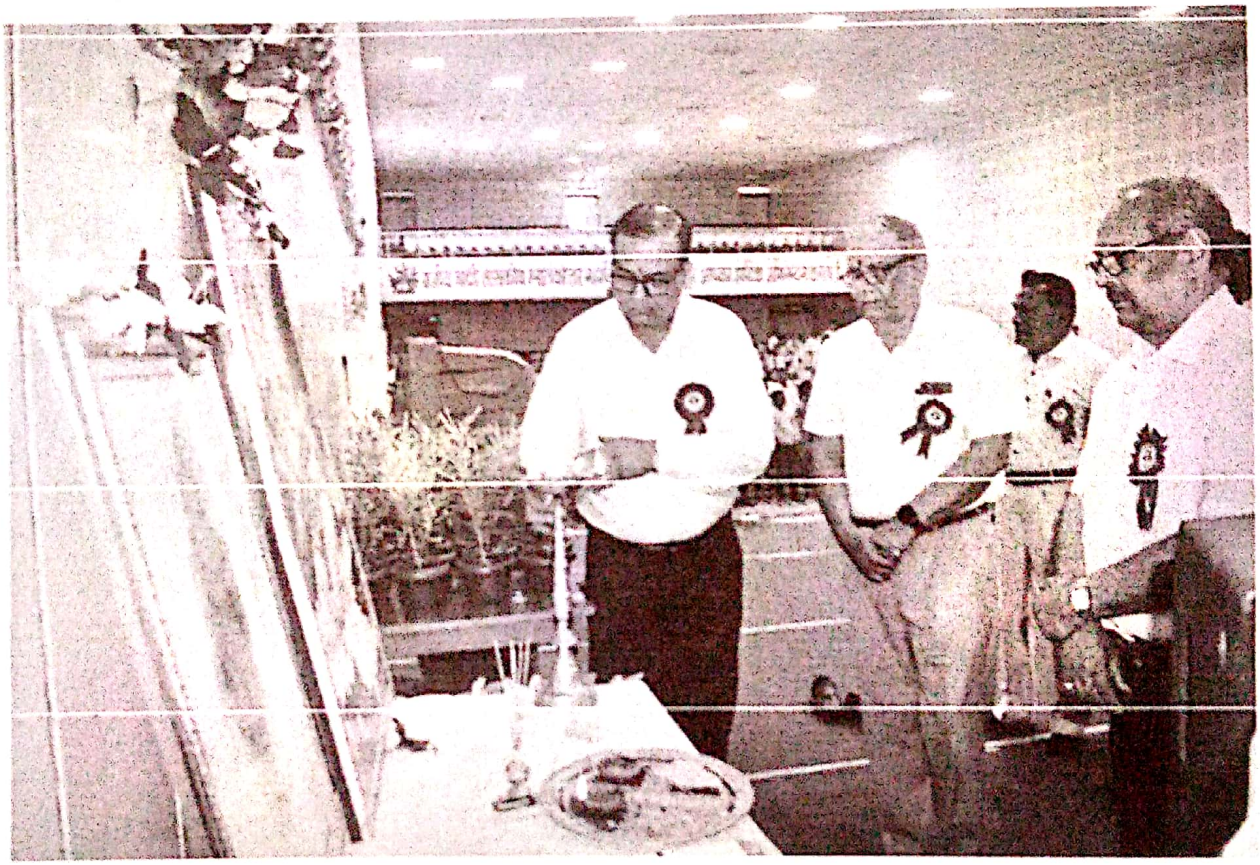

सिंधु स्वाभिमान समाचारपत्र अम्बिकापुर दिनांक 27/06/2024 को राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डॉ. वंशगोपाल सिंह ने कॉलेज ऑडीटोरियम में माँ सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तत्पश्चात एम.कॉम. की छात्राओं ने मधुर कंठ से सरस्वती वंदना , राज्य गीत और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला तथा संगोष्ठी के संयोजक डॉ. ए.के. गौर ने पौधा देकर मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। स्वागत उदबोधन देते हुए प्रो. रिजवान उल्ला ने कहा कि संगोष्ठी का आयोजन ज्ञान के संगम और विस्तार का अवसर होता है। यह हमारे लिए हर्ष का विषय है कि हमारे बुलावे को देश के बड़े-बड़े विद्वान यहाँ पधारे हैं।

Scanned with CamScanner

इस ज्ञान समागम का पूरा लाभ उठाएंगे तथा विमर्श में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। इसके पश्चात् वाणिज्य विभाग के

Scanned with CamScanner

विभागाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार गौर ने सेमिनार के विषय पर प्रकाश डाला एवं संगोष्ठी की पूरी रूपरेखा छात्रों, प्राध्यापकों एवं मुख्य अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला तथा संगोष्ठी के संयोजक डॉ. ए.के. गौर ने पौधा देकर मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। स्वागत उदबोधन देते हुए प्रो. रिजवान उल्ला ने कहा कि संगोष्ठी का आयोजन ज्ञान के संगम और विस्तार का अवसर होता है। यह हमारे लिए हर्ष का विषय है कि हमारे बुलावे को देश के बड़े-बड़े विद्वान यहाँ पधारे हैं।

यह हमारे विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए बहुत मूल्यवान अवसर है। मैं आशा करता हूँ कि वे इस ज्ञान समागम का पूरा लाभ उठाएंगे तथा विमर्श में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। इसके पश्चात् वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार गौर ने सेमिनार के विषय पर प्रकाश डाला एवं संगोष्ठी की पूरी रूपरेखा छात्रों, प्राध्यापकों एवं मुख्य अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत की।

उदघाटन सत्र के अंत में वाणिज्य विभाग के प्रोफेसरों द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी व प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. उमेश पाण्डेय ने तह धन्यवाद ज्ञापन वाणिज्य विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. शम्पू तिर्की ने किया।

Scanned with CamScanner

छोटे और मझोले उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाना बहुत जरूरी

पीजी कॉलेज में वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

[illegible]

आर्थिक साम्राज्यवाद देश के लिए बड़ा खतरा: डॉ. सिंह

राजीव गांधी पीजी कॉलेज के वाणिज्य विभाग ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

भास्कर न्यूज | अंबिकापुर

संभाग के सबसे बड़े राजीव गांधी शासकीय पीजी कॉलेज में वाणिज्य विभाग ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। दो दिन तक चलने वाले संगोष्ठी में कई शोध पढ़े जाएंगे। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वरंगोपाल सिंह थे।

कुलपति डॉ. वरंगोपाल सिंह ने कहा कि आज आर्थिक साम्राज्यवाद देश के समक्ष सबसे बड़ा खतरा है। देश सबसे पहले आता है, हमें अपने देश की आर्थिक मजबूती के लिए अर्थव्यवस्था में नए आयाम जोड़ने होंगे। इससे हम आर्थिक साम्राज्यवादी शक्तियों का बेहतर तरीके से मुकाबला कर पाए। उन्होंने आगे कहा कि ट्रेड के क्षेत्र में भारत आज के समय के साथ-साथ पहले भी मजबूत रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में आजादी के समय से पहले से योगदान देता आ रहा है। जब आधुनिकीकरण का परछाई अर्थव्यवस्था में नहीं पड़ी थी, तब भी व्यापार के मामले में भारत विश्व भर में चर्चा का विषय था। संगोष्ठी में ही नए-नए विचार और शोध उभर कर सामने आते है, जो भविष्य को दिशा देते है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला व संगोष्ठी के संयोजक डॉ. एके. गौर ने पौधा देकर मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. रिजवान उल्ला ने कहा कि संगोष्ठी का आयोजन ज्ञान के संगम और विस्तार का अवसर होता है। यह हमारे विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए मूल्यवान अवसर है। इसके वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार गौर ने सेमिनार का विषय-प्रवेश करते हुए कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा सभा के समक्ष प्रस्तुत की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी व प्राध्यापक उपस्थित रहे। संचालन डॉ. उमेश पाण्डेय व आभार प्रदर्शन वाणिज्य विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. रम्भू तिर्की ने किया।

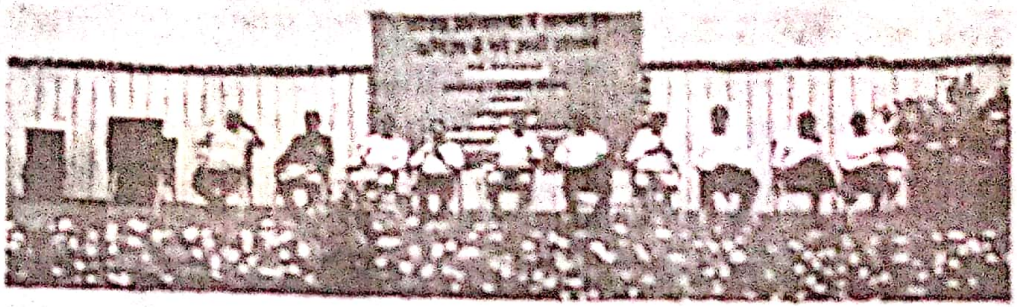

दो दिवसीय संगोष्ठी के दौरान उपस्थित मुख्य अतिथि और अन्य।

आने वाला समय व पढ़ाई व्यापार से जुड़ी होगी

प्रो. शोभित वाजपेयी ने कहा कि अर्थव्यवस्था पहले भी विकासशील होती थी, लेकिन आधुनिकीकरण के बाद के समय में अर्थव्यवस्था काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने आजादी के पहले व उसके बाद की अर्थव्यवस्था के अंतर को समझाया। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि प्रो. संजय तिवारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार व वाणिज्य के नए उभरते आयाम को नई शिक्षा नीति से जोड़ते हुए कहा कि आने वाला समय व पढ़ाई व्यापार वाणिज्य से गहराई से जुड़ी होगी। छात्र को विभिन्न प्रकार के विषयों के साथ-साथ शोध व अध्ययन के क्षेत्र में कार्य करना होगा। इससे वे अर्थव्यवस्था में अपना योगदान महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

Scanned with CamScanner